केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

27 मार्च 2026
शुक्रवार

दशक भर का इंतजार खत्म: मई से चौसा आरओबी पर दौड़ेंगी गाड़ियां

2

एक नजर

चुनावी राज्यों से अब तक 400 करोड़ से अधिक की जब्ती

नई दिल्ली। चुनाव आयोग का कहना है कि चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए 408 करोड़ रुपये से अधिक के अवैध प्रलोभन पिछले महीने जब्त किए गए हैं। चुनाव आयोग ने 15 मार्च को असम, केरल, तमिलनाडु, बंगाल और केंद्र शासित शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों के लिए कार्यक्रम की घोषणा की थी। जबकि इलेक्ट्रानिक सीजर प्रबंधन प्रणाली (ईएसएमएस) 26 फरवरी को सक्रिय की गई थी। आयोग ने बताया कि इसके सक्रिय होने के बाद से 408.82 करोड़ रुपये के अवैध प्रलोभनों में से 17.44 करोड़ रुपये नकद, 37.68 करोड़ रुपये की शराब (16.3 लाख लीटर), 167.38 करोड़ रुपये की ड्रग्स, 23 करोड़ रुपये के कीमती धातु और 163.30 करोड़ रुपये से अधिक के अन्य उपहार जब्त किए गए हैं। 15 से 25 मार्च के बीच सी-विजिल एप्लिकेशन का उपयोग करके 70,944 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से 70,831 का निपटारा किया गया और 67,899 शिकायतें (95.8 प्रतिशत) 100 मिनट के भीतर हल की गईं।

मोबाइल फोन से प्लास्टिक तक के बढ़ने लगे दाम

नई दिल्ली। डॉलर के मुकाबले रुपए में हो रही लगातार गिरावट से आयात से जुड़ी सभी वस्तुओं के दाम बढ़ने की आशंका बढ़ती जा रही है। ईरान व अमेरिका के बीच जारी जंग के समाप्त नहीं होने के आसार से कच्चे माल की आपूर्ति प्रभावित होना अब तय माना जा रहा है।कच्चे माल के आयात महंगे होने व युद्ध की वजह से सप्लाई बाधित होने से कई वस्तुओं के उत्पादन भी प्रभावित होने जा रहे हैं। एक डॉलर का मूल्य 94 रुपए तक चला गया है।डॉलर के मुकाबले रुपए में हो रही गिरावट को देखते आरबीआई से हस्तक्षेप की उम्मीद की जा रही है, लेकिन वैश्विक उथल-पुथल के इस काल में आरबीआई फिलहाल हस्तक्षेप करता नहीं दिख रहा है।

नायरा ने पेट्रोल पर 5 रु. और डीजल पर बढ़ाए 3 रुपए

- ईशान वॉर के चलते स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज के बंद होने से भारत समेत कई देशों के सामने ऊर्जा संकट गहरा गया
- एलपीजी की किल्लत के कारण कमर्शियल गैस सप्लाई में कटौती की गई है

एजेंसी। नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में भारी तनाव के बीच एक झटका देने वाली खबर सामने आई है। देश की बड़ी निजी ईंधन रिटेलर कंपनी नायरा एनर्जी ने गुरुवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। कंपनी ने पेट्रोल के दाम में 5.30 रुपये प्रति लीटर और डीजल में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है, जिससे आम लोगों पर महंगाई का दबाव और बढ़ने की आशंका है। शहरवार पेट्रोल की कीमतें इस प्रकार हैं हैदराबाद में 107.46 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में 105.41 रुपए, मुंबई में 103.54 रुपए, बेंगलुरु में 102.92 रुपए, भुवनेश्वर में 101.19 रुपए, चेन्नई में 100.80 रुपए, नोएडा में 95.16 रुपए और गुरुग्राम में 95.57 रुपए प्रति लीटर हो गया है। वहीं डीजल की कीमतों की बात करें तो हैदराबाद में 95.70 रुपए प्रति लीटर, भुवनेश्वर में 92.77 रुपए, चेन्नई में 92.39 रुपए, कोलकाता में 92.02 रुपए, बेंगलुरु में 90.99 रुपए, मुंबई में 90.03 रुपए, नोएडा में 88.31 रुपए और गुरुग्राम में 88.03 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है।

बढ़ गया महंगाई का खतरा

ईरान वॉर के बीच नायरा एनर्जी की ओर से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में यह बढ़ोतरी ऐसे समय पर की गई है, जब इससे पहले सरकारी तेल कंपनियां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से लेकर भारत पेट्रोलियम तक प्रीमियम पेट्रोल के दाम बढ़ा चुकी हैं। इसके साथ ही औद्योगिक डीजल के रेट्स में भी इजाफा किया गया है, जिससे इंडस्ट्री पर लागत का दबाव और बढ़ने की आशंका है। बढ़ी हुई कीमतों के बाद गुरुवार को हैदराबाद में पेट्रोल 107.46 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है, जबकि मुंबई और कोलकाता जैसे शहरों में भी पेट्रोल 100 रुपए के पार बिक रहा है। ईरान वॉर के

एलपीजी की भी किल्लत

ईंधन की कमी की खबरों के बीच देश के कई शहरों में लोग पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों में नजर आ रहे हैं। वहीं, एलपीजी की किल्लत के कारण कमर्शियल गैस सप्लाई में कटौती की गई है, जिससे इस सेक्टर में भी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और गैस के लिए लंबी लाइनें देखी जा रही हैं। अमेरिका के शांति प्रस्ताव को खारिज कर चुके तेहरान ने स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से भारत, पाकिस्तान और अन्य तीन देशों को गुजरने की अनुमति दे दी है। माना जा रहा है कि इस छूट से भारत को ऊर्जा संकट से निपटने में कुछ राहत मिल सकती है और आपूर्ति व्यवस्था को आंशिक रूप से स्थिर करने में मदद मिलेगी।

हमें नहीं पता कि दो दिन बाद गैस मिलेगी या नहीं : ममता

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और भवानीपुर से टीएमसी उम्मीदवार ममता बनर्जी ने चुनावी मंच से केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने रसोई गैस पर कहा कि हमें नहीं पता दो दिन बाद गैस मिलेगी या नहीं। बढ़ती कीमतों और सप्लाई को लेकर चिंता जताते हुए उन्होंने यह भी कहा कि हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों को फिर से पुराने दिनों में लौटना पड़ सकता है। ममता ने कहा कि अगर गैस समय पर नहीं मिलेगी तो लोगों को बैलगाड़ी के दौर में लौटना पड़ेगा। उनके इस बयान ने चुनावी माहौल को और गर्म कर दिया है। ममता बनर्जी ने कहा कि पहले गैस सिलेंडर करीब 400 रुपये में मिलता था, लेकिन अब इसकी कीमत 1100 रुपये तक पहुंच गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बढ़ोतरी चुपचाप की गई है। उन्होंने कहा कि उन्हें सूचना मिली कि गैस मिलने में 25 दिन की देरी हो रही है, जिसके बाद उन्होंने तुरंत बैठक बुलाई। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर महिलाओं को 25 दिन बाद गैस मिलेगी तो वे खाना कैसे बनाएंगी। ममता ने कहा कि बढ़ती कीमतें आम लोगों पर भारी बोझ डाल रही हैं।

कहा- समुद्री व्यापार पर नहीं पड़ा कोई असर

पश्चिम एशिया संकट से निपटेगी टीम इंडिया : प्रधानमंत्री मोदी

- पीएम मोदी मुख्यमंत्रियों संग करेंगे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग
- पश्चिम एशिया संघर्ष पर राज्यों की तैयारी की समीक्षा
- 'टीम इंडिया' भावना से प्रयासों में तालमेल बिठाना

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया का संकट कब तक चलेगा, इस पर अनिश्चितता का कुहासा छाया हुआ है। ऐसे में केंद्र सरकार युद्ध के असर को न्यूनतम करने के लिए ठोस उपाय करने में जुटी है। इसी रणनीति के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आव्हान किया है कि सभी राज्य सरकारों को केंद्र सरकार के साथ मिलकर "टीम इंडिया" के रूप में काम करना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल शाम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्रियों से बात करेंगे। इस बैठक का उद्देश्य पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के मद्देनजर राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा करना है। संसद से दिए गए इस संदेश के बाद शुक्रवार को पीएम मोदी स्वयं सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों (पांच चुनावी राज्य छोड़कर) से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बात कर राज्यों की तैयारियों पर चर्चा करेंगे कि कैसे युद्ध के संभावित दुष्प्रभावों से आमजन को सुरक्षित रखा जाए। ध्यान रहे कि कोविड के वक्त भी प्रधानमंत्री ने इसी तरह राज्यों को साथ लेकर आगे बढ़ने की रणनीति पर काम किया था।

युद्ध के कारण वैश्विक कारोबार और आपूर्ति श्रंखला प्रभावित

ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के कारण वैश्विक कारोबार और आपूर्ति श्रंखला प्रभावित हो रही है। सबसे अधिक असर ऊर्जा, पेट्रो पदार्थ और खाद आदि की आपूर्ति पर पड़ा है। बेशक, भारत सरकार ने कूटनीतिक प्रयासों से होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते अपने जहाज निकलवाने में सफलता पाई है। आयात के अन्य वैश्विक विकल्पों पर काम कर उत्पादों की आपूर्ति को बढ़ाया है। साथ ही सरकार की ओर से जनता को आश्वस्त भी किया गया है कि ईंधन, ऊर्जा, खाद या अन्य आवश्यक वस्तुओं का भारत के पास पर्याप्त भंडारण है। जनता को कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी।

युद्ध लंबा खिंचा तो इसके दुष्प्रभाव पड़ना तय

ध्यान रहे कि पीएम मोदी ने लोकसभा और राज्यसभा से वक्तव्य देते हुए दो टूक कहा था कि युद्ध लंबा खिंचा तो इसके दुष्प्रभाव पड़ना तय है। ऐसे में उन्होंने राज्यों से विशेष तौर पर आग्रह किया था कि चूंकि आपदा के समय जमाखोर और कालाबाजारी करने वाले तत्व सक्रिय हो जाते हैं, इसलिए सरकारों को इन पर निगरानी और त्वरित कार्रवाई करनी होगी। साथ ही पीएम अन्न योजना सहित जनहित की योजनाओं का लाभ जनता को निर्बाध देते रहने और आपूर्ति व्यवस्था मजबूत बनाए रखने के लिए कहा।

सोनिया गांधी का इलाज प्राइवेट अस्पताल में हो रहा, वहां आरक्षण लागू नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें दिल्ली सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया। सर गंगाराम अस्पताल के डॉ. अजय स्वरूप ने कहा कि उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। वहीं उनके इलाज के बीच सियासी तकरार भी शुरू हो गई है। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि सोनिया गांधी का इलाज जिस हॉस्पिटल गंगाराम में हो रहा है वह प्राइवेट अस्पताल है,वहां आरक्षण लागू नहीं है। निशिकांत दुबे ने कहा कि सोनिया गांधी को दुनिया के अच्छे से अच्छे डॉक्टर देखें, ये हम सभी चाहते हैं। सोनिया गांधी भारत की बड़ी नेता हैं। आज भी कांग्रेस का यदि कुछ

अस्तित्व बचा है वह सोनिया गांधी के कारण हैं। बीजेपी सांसद ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर सोनिया गांधी का बहुत सम्मान है। वहीं इसके साथ ही उन्होंने राहुल गांधी के कुछ ही दिन पूर्व दिए एक बयान पर निशाना साधा। निशिकांत दुबे ने कहा कि कहा कि 7- 8 दिन पहले की बात है जब राहुल गांधी ने कहा कि यहां एक अपोलो अस्पताल है जाकर पूछिए कौन डॉक्टर एससी है, कौन डॉक्टर एसटी है, कौन डॉक्टर ओबीसी है। बीजेपी सांसद ने कहा कि मैंने कभी किसी डॉक्टर की जाति नहीं पूछी, डॉक्टर, डॉक्टर है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी का इलाज जिस अस्पताल गंगाराम में हो रहा है वह प्राइवेट अस्पताल है,वहां आरक्षण लागू नहीं है।

आंध्र प्रदेश में बजरी लदे डंपर से टक्कर के बाद बस में लगी आग, 14 की मौत

एजेंसी। नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश के माकार्पुरम के निकट रायवरम में एक प्राइवेट ट्रैवल बस की टिपर लॉरी से टक्कर हो गई, जिसमें कम से कम 14 लोग जिंदा जले और लगभग 18 लोग घायल हुए है। हादसा स्लैब क्वारी के पास हुआ, जहां बस में आग लग गई और कई यात्री फंस गए। हाई स्पीड वाली बस ने बजरी ले जा रही टिपर से टकराते ही भयानक आग लग गई। बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। स्थानीय रिपोर्ट्स के अनुसार कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य घायल हैं। आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं और बचाव कार्य जारी है। पुलिस ने बताया कि कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि अधिकारी आगे की जानकारी जुटाने में लगे हुए हैं। माकार्पुरम के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस नागराजू ने एक टीवी चैनल को बताया कि लगभग 14 लोग जिंदा जल गए, और अब तक लगभग 18 घायल लोगों को बचाकर अस्पताल पहुंचाया गया है। घटना की पूरी जानकारी जुटाने के प्रयास जारी हैं।

बैंक बकायेदारों पर कसा शिकंजा : धवछुआ, पांडेयपुर और रेंका में संयुक्त छापेमारी से मचा हड़कंप

■ नावानगर में वसूली अभियान तेज, वारंट के आधार पर बैंक-पुलिस की सख्त कार्रवाई

केटी न्यूज/नावानगर

बकाया ऋण की वसूली को लेकर बिहार ग्रामीण बैंक ने अब सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। इसी कड़ी में आथर शाखा के अंतर्गत आने वाले विभिन्न गांवों में गिरफ्तारी वारंट के आधार पर बैंक और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने सघन छापेमारी अभियान चलाया। इस कार्रवाई से क्षेत्र के बड़े बकायेदारों में हड़कंप मच गया है और कई ऋणी भूमिगत हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, नीलाम पत्र पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी (नावानगर) द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट के आलोक में यह विशेष अभियान संचालित किया गया। बैंक प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि डूबे हुए कर्ज की वसूली के लिए अब कानूनी प्रक्रिया को पूरी सख्ती के साथ लागू किया जाएगा।

इन बकायेदारों के ठिकानों पर दी गई दबिश : संयुक्त टीम ने ग्राम धवछुआ निवासी गौतम कुमार सिंह, ग्राम पांडेयपुर के विजय शंकर पांडे एवं विश्वामित्र पांडेय, तथा ग्राम रेंका के राघवेंद्र उपाध्याय और विकास उपाध्याय के आवास पर पहुंचकर गिरफ्तारी के लिए दबिश दी। हालांकि, छापेमारी के दौरान सभी संबंधित ऋणी अपने घरों से फरार मिले, जिसके कारण किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। अधिकारियों का कहना है कि इन सभी के विरुद्ध पूर्व में कई बार नोटिस जारी किए जा चुके हैं, लेकिन लगातार अनदेखी किए जाने के बाद अब यह कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

बैंक और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई : इस विशेष वसूली अभियान में बैंक और पुलिस प्रशासन ने मिलकर कार्रवाई को अंजाम दिया। बैंक टीम में आथर शाखा के प्रबंधक बीरबहादुर सिंह, बैंक अधिकारी सुमन राज, आकाश कुमार एवं सर्टिफिकेट ऑफिसर आनंद घनश्याम शामिल रहे। वहीं पुलिस टीम का नेतृत्व सिकरौल थाना के सहायक थानाध्यक्ष कृष्ण प्रसाद यादव ने किया। टीम ने संभावित ठिकानों पर भी छानबीन की और स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाई, ताकि बकायेदारों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जा सके।

भुगतान नहीं किया तो होगी कुर्की-जब्ती : शाखा प्रबंधक बीरबहादुर सिंह ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जिन ऋणियों ने बार-बार सूचना के बावजूद बैंक का कर्ज जमा नहीं किया है, उनके खिलाफ अब और सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जल्द ही कुर्की-जब्ती की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है। उन्होंने अन्य सभी बकायेदारों से अपील करते हुए कहा कि वे स्वयं बैंक से संपर्क कर अपने ऋण खातों का निपटारा कर लें, अन्यथा उन्हें कानूनी कार्रवाई के साथ सामाजिक बदनामी का भी सामना करना पड़ सकता है। बैंक प्रशासन ने संकेत दिया है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और बकाया वसूली के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

दशक भर का इंतजार खत्म: मई से चौसा आरओबी पर दौड़ेंगी गाड़ियां

■ एप्रोच रोड लगभग तैयार, बचे हुए काम अप्रैल तक होंगे पूरे, जाम और जलजमाव से मिलेगी बड़ी राहत

केटी न्यूज/चौसा

चौसा-कोचस मार्ग पर रेलवे स्टेशन के पास 78 ए गेट के समीप बन रहा रेल ओवरब्रिज (आरओबी) अब आखिरकार आम लोगों के उपयोग के लिए तैयार होने जा रहा है। वर्षों से अधूरी पड़ी इस परियोजना को लेकर अब स्थिति स्पष्ट हो गई है। अधिकारियों के अनुसार, मई महीने से इस पुल पर वाहनों का आवागमन शुरू होने की पूरी संभावना है।

एप्रोच रोड का काम अंतिम चरण में : राज्य पुल निर्माण निगम द्वारा बनाए जा रहे इस आरओबी के दोनों ओर के संपर्क पथ (एप्रोच रोड) का निर्माण कार्य अब अंतिम दौर में है। परियोजना पदाधिकारी ने बताया कि अप्रैल तक एप्रोच रोड पूरी तरह तैयार कर लिया जाएगा।

हालांकि, पुल के नीचे दोनों साइड कुछ कार्य शेष हैं, जिन्हें तेजी से पूरा किया जा रहा है।

क्यों हुई इतनी देरी : परियोजना पदाधिकारी अखिलेश कुमार के मुताबिक, इस आरओबी के निर्माण में तकनीकी कारणों और भूमि अधिग्रहण की समस्याओं ने बड़ा रोड़ा अटकाया। जिस कारण आरोबी का निर्माण कार्य निर्धारित समय पर पूरा नहीं हो सका। उन्होंने बताया कि जमीन अधिग्रहण में बाधा, तकनीकी अड़चनें तथा समन्वय की कमी, इन कारणों से काम वर्षों तक अधूरा रहा, लेकिन अब इसे युद्धस्तर पर पूरा किया जा रहा है।

10 साल का सफर, एक नजर में

बता दें कि 2015 आरओबी का निर्माण कार्य शुरू हुआ था। वर्ष 2018 मुख्य पुल संरचना तैयार कर लिया गया था। जबकि 2018-2025 तक एप्रोच रोड अधूरा था जिस कारण परियोजना लटकी रही। पुनः 2026 में काम में तेजी तथा मई से शुरू होने की उम्मीद है।

लोगों को क्या मिलेगा फायदा

इस आरओबी के चालू होने से चौसा और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को कई बड़ी सुविधाएं मिलेंगी, जिनमें रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम से छुटकारा, समय की बचत और तेज आवागमन, बरसात में कीचड़ और जलजमाव से राहत तथा व्यापार और स्थानीय आवागमन में सुधार का लाभ लोगों को मिलेगा।

बरसात में सबसे बड़ी परेशानी थी

आरोबी का निर्माण कार्य नहीं होने से अब तक रेलवे फाटक के आसपास बारिश के मौसम में जलजमाव और कीचड़ की स्थिति बन जाती थी। जिस कारण राहगीरों को पैदल चलना मुश्किल हो रहा था। जबकि वाहनों की लंबी कतार तथा लोगों को घंटों जाम में फंसा रहना पड़ता था। आरओबी चालू होने के बाद इन समस्याओं से काफी हद तक निजात मिलने की उम्मीद है।

स्थानीय लोगों की प्रतिक्रिया

लंबे समय से अधूरी परियोजना को लेकर लोगों और जनप्रतिनिधियों में नाराजगी थी। कई बार प्रदर्शन और मांग के बाद अब जाकर काम में तेजी आई है।

एक नजर

तीन साल बाद पुलिस को मिली सफलता अपहरण कांड का आरोपी गिरफ्तार

डुमरांव। नया भोजपुर थाना क्षेत्र में वर्ष 2023 में दर्ज एक अपहरण मामले में पुलिस को आखिरकार बड़ी सफलता हाथ लगी है। तीन वर्षों से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस कार्रवाई के साथ ही लंबे समय से लंबित इस मामले में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पर आरोप था कि उसने थाना क्षेत्र की एक किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। घटना के बाद पीड़िता के परिजनों ने थाना में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर अपहरण और पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद से ही आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर था और लगातार फरार चल रहा था। इस बीच पुलिस टीम ने कई बार छापेमारी की, लेकिन आरोपी का कोई सुराग नहीं मिल पा रहा था। हाल ही में गुप्त सूचना मिलने के बाद थानाध्यक्ष के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान किशोरी को भी सकुशल बरामद कर लिया गया, जो इस मामले में सबसे बड़ी राहत की बात मानी जा रही है। पुलिस अब आगे की कानूनी प्रक्रिया में जुट गई है और किशोरी का न्यायालय में बयान दर्ज कराने की तैयारी की जा रही है, जिससे पूरे मामले की सच्चाई स्पष्ट हो सके। अधिकारियों का कहना है कि फरार आरोपियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में पुलिस के प्रति लोगों का भरोसा और मजबूत हुआ है, वहीं पीड़ित परिवार ने भी राहत की सांस ली है।

नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई : कोरान सराय में छापेमारी, कई गिरफ्तार

डुमरांव। कोरान सराय थाना क्षेत्र में पुलिस ने नशे और अवैध शराब के खिलाफ सख्त अभियान चलाते हुए दो अलग-अलग कार्रवाइयों में कई लोगों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस के सख्त रुख का संदेश भी गया है। बुधवार की देर शाम गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दखिनांव गांव की अनुसूचित बस्ती में छापेमारी की। इस दौरान पांच लीटर देसी शराब के साथ अयोध्या राम नामक धंधेबाज को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने मौके पर ही शराब जब्त कर आरोपी को हिरासत में लेते हुए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। साथ ही इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है।इसी क्रम में कोरान सराय प्रमुख चौक पर भी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नशे की हालत में हंगामा कर रहे आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया। सभी का मेडिकल जांच कराया गया, जिसमें शराब सेवन की पुष्टि हुई। इसके बाद सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में नशे और अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी हाल में कानून तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

हिंसा से मानवता तक: अशोक के आदर्शों ने चौकियां में जगाई नई सोच

■ जयंती समारोह में पूर्व विधायक ने युवाओं को दिया बदलाव और नैतिकता का संदेश, शांति व समरसता पर जोर

केटी न्यूज/डुमरांव

चौकियां गांव में सम्राट अशोक जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम सिर्फ एक औपचारिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि यह समाज को नई दिशा देने वाला प्रेरणादायक मंच बन गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, बुद्धिजीवी और युवाओं की भागीदारी ने इसे खास बना दिया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे डुमरांव के पूर्व विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने अपने संबोधन में सम्राट अशोक के जीवन के उस पहलू को सामने रखा, जो आज के दौर में सबसे अधिक प्रासंगिक माना जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक का जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्ची शक्ति तलवार में नहीं, बल्कि विचार और व्यवहार में होती है। कलिंग युद्ध के बाद अशोक के जीवन में आया परिवर्तन केवल एक राजा का बदलाव नहीं था, बल्कि वह पूरी मानवता के लिए एक संदेश बन गया। उन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़कर धम्म और करुणा का मार्ग अपनाया, जो आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक है।

पूर्व विधायक ने युवाओं को विशेष रूप से संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में जब समाज कई तरह की चुनौतियों से गुजर रहा है, तब अशोक के आदर्श हमें संतुलन और समझदारी का रास्ता दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के भीतर बदलाव की क्षमता होती है और अगर वह सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़े, तो समाज में बड़ा परिवर्तन संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि अशोक ने अपने शासनकाल में समानता, सहिष्णुता और लोककल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। यही कारण है कि उनका शासन आज भी आदर्श शासन के रूप में याद किया जाता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने जीवन में अहिंसा, सत्य और सामाजिक समरसता जैसे मूल्यों को अपनाएं और एक बेहतर समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भी सम्राट अशोक के जीवन से प्रेरणा लेने और उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। आयोजन का माहौल पूरी तरह सकारात्मक और उत्साहपूर्ण रहा, जहां हर वक्ता ने शांति और भाईचारे को समाज की सबसे बड़ी जरूरत बताया। अंत में कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ किया गया कि समाज में आपसी विश्वास, सद्भाव और न्याय को मजबूत किया जाएगा, ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

सरेंजा विद्यालय में बढ़ी शैक्षणिक क्षमता तीन नए कक्षों से सुधरेगी पढ़ाई व्यवस्था

केटी न्यूज/चौसा

शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक अहम पहल के तहत सरेंजा स्थित बुनियादी विद्यालय को तीन नए कक्षों की सौगात मिली है। लंबे समय से स्थानाभाव की समस्या से जूझ रहे इस विद्यालय के लिए यह विकास एक बड़ी राहत के रूप में सामने आया है। नए कक्षों के निर्माण के साथ अब विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सकेगा। पहले विद्यालय में मात्र चार कक्ष ही उपलब्ध थे, जिनमें कक्षा एक से आठ तक के सभी छात्रों की पढ़ाई कराई जाती थी। सीमित संसाधनों के कारण शिक्षकों को एक ही कक्ष में कई वर्गों को संभालना पड़ता था, जिससे पठन-पाठन की गुणवत्ता प्रभावित हो रही थी। छात्रों को भी असुविधा के बीच पढ़ाई करनी पड़ती थी। ऐसे हालात में नए कक्षों का निर्माण विद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आया है। अब कुल सात कक्षों के साथ विद्यालय में कक्षावार पढ़ाई संभव हो सकेगी। इससे न केवल शिक्षकों को पढ़ाने में सहूलियत मिलेगी, बल्कि छात्रों को भी बेहतर शैक्षणिक माहौल मिलेगा। उम्मीद जताई जा रही है कि इस बदलाव से बच्चों की उपस्थिति बढ़ेगी और उनकी शैक्षणिक प्रगति में भी सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद आयोजित एक कार्यक्रम में इन कक्षों का विधिवत उद्घाटन कर विद्यालय प्रबंधन को सौंप दिया गया। इस अवसर पर एलएंडटी से जुड़े जयंत चौधरी, आरसीएम विजय सिंह, सुरेंद्र सिंह, संतोष चौधरी, सवानंद और अशोक सिंह सहित विद्यालय के प्रधानाध्यापक अरविंद सिंह तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन ने इस पहल के लिए आभार जताते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

लापरवाही बन सकती थी मौत का कारण : बंद फाटक पार करते ही पटरी पर फंसी बाइक

- लोको पायलट की सूझबूझ से टला हादसा
- सुबह-सुबह बड़ा खतरा टला, कुछ सेकंड की देरी होती तो हो सकता था बड़ा हादसा

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के पश्चिमी रेलवे फाटक पर गुरुवार की सुबह एक बड़ी दुर्घटना होते-होते टल गई, जब एक युवक की लापरवाही उसकी जान पर भारी पड़ सकती थी। बंद फाटक को नजरअंदाज कर पटरी पार करने की कोशिश में उसकी बाइक अप मेन लाइन पर फंस गई। ठीक उसी समय सामने से ट्रेन आ रही थी, लेकिन लोको पायलट की सतर्कता ने एक संभावित त्रासदी को टाल दिया।

घटना सुबह करीब 06:31 बजे की बताई जा रही है। 63229 आरा-बक्सर मेमू एक्सप्रेस जैसे ही डुमरांव स्टेशन से खुलकर बक्सर की ओर बढ़ी, तभी फाटक बंद होने के बावजूद एक युवक बाइक लेकर पटरी पर चढ़ गया। वह एक ओर से फाटक पार तो कर गया, लेकिन दूसरी तरफ जगह नहीं मिलने के कारण किनारे से निकलने की कोशिश करने लगा। इसी दौरान उसकी बाइक पटरी पर फंस गई।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए लोको पायलट ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाया, जिससे ट्रेन समय रहते रुक गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तेजी दिखाते हुए बाइक को पटरी से हटाया, जिसके बाद ट्रेन को सुरक्षित रवाना किया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, फाटक के किनारे पहले एक अस्थायी रास्ता बना लिया गया था, जिससे लोग बंद फाटक के बावजूद जोखिम उठाकर पार करते थे। हालांकि, सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जीआरपी और आरपीएफ ने इस रास्ते को बंद कर दिया है, फिर भी कुछ लोग अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे हैं।

रेलवे अधिकारियों ने इस घटना को गंभीर चेतावनी मानते हुए लोगों से अपील की है कि बंद फाटक पार करना जानलेवा साबित हो सकता है। थोड़ी सी लापरवाही किसी बड़े हादसे में बदल सकती है।

यह घटना एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करती है कि जल्दबाजी और नियमों की अनदेखी कितनी खतरनाक हो सकती है।

एक नजर

लाल वारंटी समेत सात वारंटियों को पुलिस ने दबोचा

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए पिछले 24 घंटे में एक लाल वारंटी सहित कुल सात वारंटियों को गिरफ्तार किया है। सभी गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार वारंटियों में डुमरांव निवासी नंद बिहारी गोस्वामी, पिता सिंगासन गोस्वामी, भी शामिल हैं। उनके खिलाफ कोरानसराय थाना क्षेत्र में पूर्व से एक आपराधिक मामला दर्ज था। मामले में न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होने के कारण अदालत द्वारा उनके विरुद्ध लाल वारंट जारी किया गया था। पुलिस टीम ने लगातार छापेमारी कर सभी वारंटियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों के बीच हड़कंप मच गया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि फरार चल रहे अपराधियों और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी हाल में कानून से बच निकलना संभव नहीं है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बक्सर में 28 मार्च को विशेष रोजगार शिविर, एलआईसी एजेंट के 50 पदों पर होगा चयन

बक्सर। प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी, बक्सर से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला नियोजनालय द्वारा आगामी 28 मार्च को विशेष रोजगार शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर संयुक्त श्रम भवन, आईटीआई फील्ड स्थित जिला नियोजनालय परिसर में आयोजित होगा, जहां बेरोजगार युवाओं को रोजगार का अवसर प्रदान किया जाएगा। इस रोजगार शिविर में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के लिए अभिकर्ता (एजेंट) के कुल 50 पदों पर चयन किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को पहले वर्ष में 48 हजार रुपये तक का मानदेय (कमीशन आधारित) प्रदान किया जाएगा। इस पद के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता दसवीं या उससे ऊपर निर्धारित की गई है, जबकि आयु सीमा 18 से 70 वर्ष तक रखी गई है। पुरुष एवं महिला दोनों अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। कार्यस्थल डुमरांव, ब्रह्मपुर सहित आसपास के क्षेत्र निर्धारित किए गए हैं। इस शिविर की खास बात यह है कि अभ्यर्थियों का चयन उनकी योग्यता के आधार पर मौके पर ही किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने साथ जीवनवृत्त (बायोडाटा) एवं आधार कार्ड लेकर निर्धारित तिथि पर उपस्थित होना होगा। जिला नियोजनालय ने स्पष्ट किया है कि इस रोजगार शिविर में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों का नियोजनालय में पंजीकरण अनिवार्य है। जिन अभ्यर्थियों ने अब तक पंजीकरण नहीं कराया है, वे राष्ट्रीय कैरियर सेवा पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। शिविर में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। प्रभारी पदाधिकारी ने बताया कि नियोजनालय की भूमिका इस प्रक्रिया में केवल सुविधा प्रदाता की होगी, जबकि नियुक्ति से संबंधित सभी शर्तों के लिए नियोजक स्वयं जिम्मेदार होंगे। जिला प्रशासन ने जिले के अधिक से अधिक बेरोजगार युवाओं से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए रोजगार शिविर में भाग लें और अपने भविष्य को संवारने की दिशा में कदम बढ़ाएं।

तैयारी पूरी : रामनवमी पर डुमरांव में आज निकलेगा भव्य महाबीरी झंडा जुलूस, देर रात तक चलते रही तैयारी

- 27 मार्च को सुबह 9 बजे महाकाली आश्रम से होगी शुरूआत, सैकड़ों बाइक सवार होंगे शामिल

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में रामनवमी के मौके पर निकलने वाले श्री महाबीरी झंडा जलूस की तैयारी पूरी कर ली गई है। शुक्रवार को सुबह में छठिया पोखरा स्थित हनुमान मंदिर में शस्त्र पूजन के बाद शाम में राजगढ़ के विशाल फाटक से जुलूस का शुभारंभ होगा। जो देर रात तक शहर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए, पुनः राजगढ़ पहुंच संपन्न होगा।

आयोजन समिति श्री महाबीरी झंडा पूजा समिति के संयोजक गुप्तेश्वर प्रसाद गुरूजी, संरक्षक सुमित गुप्ता तथा अध्यक्ष विजय कुमार श्रीवास्तव आदि ने बताया कि इस बार के जुलूस का खास आकर्षण केरल का प्रसिद्ध कलरी पट्टी (कला प्रदर्शन) रहेगा। इसके अलावे मध्यप्रदेश व वाराणसी के बैंड बाजे, प्रयागराज व कानपुर की झांकी, बलिया का डमरू तथा वाराणसी का झाला बाजा के अलावे झांकियों में मां काली की भाव भंगिमा, शिव तांडव, अघोर नृत्य, भष्म आरती तथा समुद्र मंथन को शामिल किया गया है। जबकि वीर हनुमान व रामदरबार की जीवंत प्रस्तुति भी की जाएगी। आयोजकों ने बताया कि जुलूस में हाथी-घोडे. व उंट के साथ ही हजारों श्रद्धालु शामिल होंगे। इस जुलूस को ले आयोजन समिति द्वारा पूरे शहर को पहले ही भगवा झंडे से सजा दिया गया है। पूर्व संध्या पर आयोजन समिति की बैठक संपन्न हुई, जिसमें तैयारियों को परखा गया। इधर जुलूस में शामिल होने वाले रथ तथा अन्य वाहनों को भगवा झंडे से सजाने का काम देर रात तक जारी था। बैठक में संयोजक गुप्तेश्वर प्रसाद गुरूजी, संरक्षक सुमित गुप्ता, अध्यक्ष विजय कुमार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष पवन केशरी, अनिल कुमार, दीपक रौनियार, सचिव मनोज केशरी, उप सचिव कृष्ण मुरारी केशरी, विनोद केशरी, कोषाध्यक्ष नीरज केशरी, उप कोषाध्यक्ष ओमवीर, आशिष केशरी, सूचना प्रभारी दयाशंकर प्रसाद समेत कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

वहीं, इस जुलूस को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन भी मुश्तैद है। पूर्व संध्या पर डुमरांव थाने से फ्लैग मार्च निकाल लोगों को शांतिपूर्ण व सौहार्द के माहौल में रामनवमी मनाने का संदेश दिया गया।

रामनवमी पर डुमरांव में निकलेगी भव्य बाइक शोभायात्रा, युवाओं में उत्साह

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव शहर में रामनवमी के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस बार भी भव्य मोटरसाइकिल शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल के नेतृत्व में आयोजित इस शोभायात्रा को लेकर युवाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति द्वारा इसकी तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है। विहिप के संटू मित्रा ने बताया कि डुमरांव में हर साल रामनवमी के दिन सुबह के समय बाइक शोभायात्रा निकाली जाती है। इस बार भी इसे पहले से अधिक भव्य और आकर्षक बनाने की योजना है। उन्होंने कहा कि सैकड़ों की संख्या में बाइक सवार युवा इस शोभायात्रा में शामिल होंगे और पूरे शहर में धार्मिक माहौल बनाएंगे। यह शोभायात्रा नगर पंचित मां काली आश्रम से सुबह 9 बजे शुरू होगी। वहां से निकलकर यह यात्रा शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पुराना भोजपुर तक जाएगी। इसके बाद पुनः उसी मार्ग से वापस लौटकर शोभायात्रा का समापन किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, शोभायात्रा के दौरान भगवान राम के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाएगा। युवाओं द्वारा भगवा झंडों के साथ अनुशासित तरीके से यात्रा निकाली जाएगी, जिससे धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का संदेश दिया जाएगा। सुरक्षा और

व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रशासन से भी सहयोग लिया जा रहा है। मार्गों की साफ-सफाई, यातायात नियंत्रण तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह शोभायात्रा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि युवाओं के जोश और समाज में एकता का भी परिचायक बनती है। हर वर्ष की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में लोग इस आयोजन के साक्षी बनेंगे।

ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत बक्सर स्टेशन पर सक्रिय टीम की सख्ती, चोरी का मोबाइल बरामद, आरोपी जीआरपी के हवाले

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को निशाना बनाने की फिराक में घूम रहे एक युवक को आरपीएफ ने मुस्तैदी दिखाते हुए धर दबोचा। बुधवार की रात चलाए जा रहे ह्यऑपरेशन यात्री सुरक्षाह्न के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 2झ3 पर संदिग्ध गतिविधि ने आरपीएफ टीम का ध्यान खींचा और यही सतर्कता आरोपी की गिरफ्तारी की वजह बन गई।

निरीक्षक प्रभारी कुंदन कुमार के नेतृत्व में उप-निरीक्षक विजेंद्र मुवाल, आरक्षी दीपक कुमार और कन्हैयालाल चौधरी स्टेशन परिसर में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान एक युवक की हरकतें असामान्य लगीं। टीम ने तुरंत उसे रोका और सख्ती से पूछताछ की। युवक ने अपनी पहचान भोजपुर जिले के शाहपुर निवासी शिवम कुमार ओझा के रूप में बताई।

तलाशी के दौरान उसके पास से एक महंगा स्मार्टफोन बरामद हुआ। पूछताछ में उसने कबूल किया कि फोन उसने ट्रेन में खिड़की के पास सो रहे यात्री से चुराया था। स्वीकारोक्ति के बाद आरपीएफ ने बिना देर किए आरोपी को मोबाइल और जरूरी कागजात के साथ जीआरपी बक्सर को सौंप दिया, जहां आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

आरपीएफ अधिकारियों के अनुसार, स्टेशन पर बढ़ती भीड़ के बीच चोरी जैसी घटनाओं पर लगाम कसने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। ह्यऑपरेशन यात्री सुरक्षाह्न के तहत लगातार गश्त, संदिग्धों की पहचान और यात्रियों को जागरूक करने का अभियान तेज किया गया है।

निरीक्षक कुंदन कुमार ने यात्रियों से अपील की कि यात्रा के दौरान सतर्क रहें, खासकर खिड़की के पास मोबाइल या कीमती सामान रखने से बचें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत आरपीएफ या जीआरपी को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई हो

27 एजेंसियों की सघन जांच जारी, 65 हजार से अधिक सिलेंडर वितरण के बीच 395 शिकायतों में 338 का त्वरित निपटारा

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए व्यापक अभियान छेड़ दिया है। इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के अंतर्गत संचालित कुल 27 गैस एजेंसियों की लगातार निगरानी की जा रही है। वरीय पदाधिकारियों से लेकर अनुमंडल और प्रखंड स्तर के आपूर्ति अधिकारियों तक, सभी स्तर पर टीम बनाकर भौतिक जांच अभियान तेज कर दिया गया है।

इसी कार्रवाई के तहत बक्सर सदर अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश कुमार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के दो प्रतिष्ठानों पहवा रेस्टोरेंट और संगम फैमिली रेस्टोरेंट पर घरेलू गैस सिलेंडर के व्यावसायिक उपयोग के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई है। छापेमारी के दौरान दोनों प्रतिष्ठानों से कुल 24 सिलेंडर जब्त किए गए, जिससे हड़-कंप मच गया है। प्रशासन ने साफ संकेत दिया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। गैस आपूर्ति की स्थिति पर नजर डालें तो 13 मार्च से 25 मार्च 2026 के बीच जिले में कुल 65,514 गैस सिलेंडरों का वितरण किया जा चुका है, जबकि 25 मार्च तक विभिन्न एजेंसियों के पास 3,111 सिलेंडर का स्टॉक उपलब्ध है। प्रशासन का दावा है कि आम उपभोक्ताओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु रखा जा रहा है। वहीं, उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान के लिए जिला नियंत्रण कक्ष 24 घंटे सक्रिय है। अब तक कुल 395 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 338 मामलों का त्वरित निष्पादन कर दिया गया है, जबकि शेष शिकायतों पर कार्रवाई जारी है। प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि गैस से जुड़ी किसी भी समस्या या अनियमितता की सूचना तुरंत जिला नियंत्रण कक्ष के नंबर 06183-223333 पर दें,

रामनवमी से पहले सख्त सुरक्षा कवच: डुमरांव में पुलिस का भरोसा बढ़ाने वाला फ्लैग मार्च

- संवेदनशील इलाकों में गश्त, अफवाहों से सतर्क रहने की अपील, अतिरिक्त बल तैनात कर प्रशासन ने कसी कमर

केटी न्यूज/डुमरांव

रामनवमी पर्व को लेकर डुमरांव में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। त्योहार के दौरान शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार की शाम डुमरांव थाना पुलिस ने शहर में व्यापक पैदल मार्च निकाला। इस मार्च का मकसद न सिर्फ सुरक्षा का एहसास कराना था, बल्कि आम लोगों के बीच भरोसा कायम करना भी रहा। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में निकले इस मार्च में पुलिस अधिकारियों और जवानों की बड़ी टीम शामिल रही। पुलिस बल ने शहर के कई प्रमुख और संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा किया। मार्च की शुरूआत नया थाना परिसर से हुई, जिसके बाद यह मुख्य बाजार, छठिया पोखरा, स्टेशन रोड, नई बाजार समेत भीड़भाड़ वाले इलाकों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस ने स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों और राहगीरों से सीधे संवाद स्थापित किया। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाहों या भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। साथ ही, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की सलाह दी गई। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने स्पष्ट किया कि रामनवमी के जुलूस को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने बताया कि सभी संवेदनशील स्थानों की पहचान कर वहां अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। इसके अलावा, लगातार गश्त और निगरानी भी की जा रही है ताकि किसी भी संभावित गड़बड़ी को समय रहते रोका जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि त्योहार आपसी भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक है, जिसे सभी समुदायों के सहयोग से ही शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जा सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन हर स्तर पर तैयारी में जुटा हुआ है। फ्लैग मार्च में अपर थानाध्यक्ष मतेंद्र कुमार, एसआई अर्चना कुमारी सहित कई अन्य पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल रहे। पूरे मार्च के दौरान अनुशासन और सतर्कता का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे आम लोगों में सुरक्षा का विश्वास और मजबूत हुआ। डुमरांव प्रशासन ने भी नागरिकों से अपील की है कि वे त्योहार के दौरान सतर्क रहें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन या नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें। प्रशासन का कहना है कि लोगों के सहयोग से ही किसी भी बड़े आयोजन को सफल और शांतिपूर्ण बनाया जा सकता है। पुलिस के इस सक्रिय अभियान का असर शहर में साफ देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई है कि इस बार रामनवमी का पर्व पूरी शांति और भाईचारे के साथ संपन्न होगा।

तस्करी की साजिश हुई नाकाम बाइक सवार से बड़ी खेप जब्त

केटी न्यूज/चक्की

शराबबंदी वाले बिहार में अवैध कारोबारियों के मंसूबों पर चक्की थाना पुलिस ने एक बार फिर पानी फेर दिया है। गुरुवार को गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने एक युवक को भारी मात्रा में शराब के साथ धर दबोचा। यह कार्रवाई ग्राम भोला डेरा से खरहाटार जाने वाली सड़क पर पीपल के पेड़ के समीप की गई, जहां आरोपी बाइक से शराब की खेप ले जा रहा था। पुलिस के हत्थे चढ़ा युवक राकेश कुमार श्रीवास्तव बताया जा रहा है, जो बक्सर जिले के सहियार गांव का निवासी है। तलाशी के दौरान उसके पास से कुल 34.92 लीटर अवैध शराब बरामद की गई, जिसे अलग-अलग ब्रांड के छोटे पैकेटों में रखा गया था। बरामद सामग्री में 180 एमएल के एट पीएम के 98 पीस, एट पीएम गोल्ड के 48 पीस और 200 एमएल के बंटी बबली के 45 पीस शामिल हैं। साथ ही पुलिस ने उसकी मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है, जिसका उपयोग तस्करी में किया जा रहा था।

थानाध्यक्ष अजय कुमार के अनुसार, आरोपी शराब की इस खेप को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने की फिराक में था। हालांकि, समय रहते पुलिस ने जाल बिछाकर उसकी योजना को विफल कर दिया। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में शराबबंदी कानून को प्रभावी बनाने के लिए लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस कार्रवाई के बाद इलाके में अवैध शराब कारोबारियों के बीच हड़कंप मच गया है। वहीं, स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता की सराहना करते हुए उम्मीद जताई है कि ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे, जिससे क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके।

पटना नीट छात्रा कांड में बड़ा अपडेट: कोर्ट ने सीबीआई से मांगी ताजा रिपोर्ट, 30 मार्च डेडलाइन

एजेंसी। पटना

पटना के चर्चित नीट छात्रा कांड में जांच तेज हो गई है। POCSO कोर्ट ने सीबीआई से 30 मार्च तक अद्यतन रिपोर्ट मांगी है, जिससे मामले में नए खुलासों की उम्मीद बढ़ गई है। पटना के चर्चित नीट छात्रा कांड में पॉक्सो की विशेष अदालत ने जांच को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन रमन ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को मामले की अद्यतन जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। अदालत ने इसके लिए 30 मार्च की तिथि निर्धारित की है। इस आदेश के बाद मामले में एक बार फिर जांच की प्रगति पर सबकी नजरें टिक गई हैं। दरअसल, इस मामले के सूचक के वकील ने पॉक्सो की विशेष अदालत में एक आवेदन दाखिल कर सीबीआई से ताजा जांच रिपोर्ट मांगे जाने की अपील की थी। अदालत ने इस आवेदन पर सुनवाई करते हुए सीबीआई को रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। इससे यह संकेत मिलता है कि अदालत इस संवेदनशील मामले में जांच की दिशा और प्रगति पर लगातार नजर बनाए हुए है। मालूम हो कि नीट छात्रा की मौत के मामले की जांच फिलहाल दिल्ली स्थित सीबीआई टीम कर रही है। जांच एजेंसी इस मामले को हत्या के प्रयास और पॉक्सो एक्ट के तहत देख रही है। राज्य सरकार के अनुरोध पर ही सीबीआई ने इस कांड को अपने हाथ में लिया था और औपचारिक रूप से मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। सीबीआई द्वारा पॉक्सो एक्ट लगाए जाने के बाद विशेष न्यायिक दंडाधिकारी ने इस केस का अभिलेख पटना सिविल कोर्ट स्थित पॉक्सो की विशेष अदालत को भेज दिया था। वर्तमान में इस मामले की सुनवाई वहीं चल रही है। अदालत में लगातार पेशी हो रही है और जांच एजेंसी से समय-समय पर अपडेट मांगा जा रहा है। मामले की शुरूआती जांच स्थानीय स्तर पर हुई थी। सूचक का बयान कदमकुआं थाना क्षेत्र के दारोगा ने दर्ज किया था, जिसके आधार पर 9 जनवरी को चित्रगुप्त नगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। शुरूआत में थानेदार रौशनी कुमारी ने मामले की जांच की जिम्मेदारी संभाली थी। हालांकि, मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने बाद में जांच को उच्च स्तर पर ले जाने का फैसला किया। इसके तहत पटना आईजी के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। लेकिन बाद में राज्य सरकार की अनुशंसा पर सीबीआई ने 12 फरवरी को इस मामले में अपनी एफआईआर दर्ज कर जांच अपने हाथ में ले ली। इसके बाद से पूरे मामले की जांच केंद्रीय एजेंसी कर रही है। इस केस में अब तक एक अहम गिरफ्तारी भी हो चुकी है। शंभू गर्ल्स हॉस्टल का मालिक मनीष रंजन न्यायिक हिरासत में बेऊर जेल में बंद है। पॉक्सो की विशेष अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उसकी नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि आरोप गंभीर हैं और जांच प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए उसे राहत नहीं दी जा सकती। गौरतलब है कि जहानाबाद जिले की रहने वाली नीट अभ्यर्थी 6 जनवरी को पटना के चित्रगुप्त नगर थाना क्षेत्र स्थित एक निजी गर्ल्स हॉस्टल के कमरे में अचेत अवस्था में मिली थी। वह मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए पटना में रहकर कोचिंग कर रही थी। छात्रा को गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 11 जनवरी को उसकी मौत हो गई थी। छात्रा की मौत के बाद पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया था और यौन उत्पीड़न व हत्या की आशंका जताई गई थी। इसके बाद परिजनों और सामाजिक संगठनों ने निष्पक्ष जांच की मांग की थी, जिसके चलते मामला सीबीआई को सौंपा गया। अब 30 मार्च को सीबीआई की अद्यतन रिपोर्ट आने के बाद मामले में कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है। अदालत की सख्ती से यह साफ है कि इस मामले में न्याय प्रक्रिया को तेजी और पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है।

काम पर नहीं लौटने वाले अंचलाधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, रिटायर सीओ को कॉन्ट्रैक्ट पर किया जाएगा बहाल

एजेंसी। पटना

बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने हड़ताल पर गए अंचलाधिकारियों और राजस्व कर्मियों को 25 मार्च तक काम पर लौटने का आदेश दिया। जो लौटेंगे, उन्हें पटना जिला में प्रभार दिया जाएगा, जबकि रिटायर अंचलाधिकारी अनुबंध पर बहाल होंगे। हड़ताल पर गये अंचलाधिकारियों और राजस्व कर्मियों को 25 मार्च 2026 तक स्ट्राइक खत्म करने का आदेश राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने दिया था। रिपोर्ट के अनुसार दो दर्जन अंचलाधिकारी काम पर लौटे हैं। जल्द ही इन्हें पटना जिला के अलग-अलग अंचल कार्यालयों में प्रभार सौंपा जाएगा। वही जो काम पर अभी तक नहीं लौटे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बात की जानकारी बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने दी। उन्होंने कहा कि जमीन संबंधी कामों में कोई परेशानी लोगों को ना हो इसके लिए रिटायर अंचलाधिकारी को अनुबंध पर बहाल किया जाएगा।सभी 38 जिलों में अंचल कार्यालय का प्रभार राजस्व सेवा के पदाधिकारियों को दिया गया है। उन्होंने बताया कि अभी 273 अंचलाधिकारी और राजस्व पदाधिकारी कार्यरत हैं। जनता के काम को किसी भी स्थिति में बाधित नहीं होने दिया जाएगा। राजस्व सेवा के सेवानिवृत अधिकारियों से राजस्व महाअभियान के दौरान 46 लाख आवेदनों का निष्पादन कराया जाएगा। उन्हें सरकार द्वारा तय मानदेय दिया जाएगा। उनकी सेवा राजस्व महाअभियान में लिया जाएगा।

हड़ताल के बावजूद राजस्व कार्यों ने पकड़ी रफ्तार

प्रेस वार्ता के दौरान विभाग ने आंकड़ों के जरिए बताया कि सामूहिक अवकाश के बावजूद काम थमा नहीं है। विभाग द्वारा अब तकः

12,163 दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) मामलों का निपटारा किया गया।
38,672 जमाबंदियों में 'परिमार्जन प्लस' के तहत सुधार किया गया।
16,777 छूटी हुई जमाबंदियों को ऑनलाइन पोर्टल पर जोड़ा गया।
4,431 ई-मापी के मामलों का निष्पादन हुआ।

अनुशासनहीनता पर जीरो टॉलरेंस की नीति

विजय सिन्हा ने दोहराया कि नीतीश सरकार अनुशासनहीनता को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि एक तरफ जहाँ सरकार कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों को सम्मान देगी, वहीं दूसरी ओर जनता को परेशान करने वाले और सरकारी आदेशों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई जाएगी। सरकार का लक्ष्य पारदर्शी और जवाबदेह राजस्व प्रशासन सुनिश्चित करना है।

साढ़े 7 कट्ठा जमीन के लिए वरुण चौधरी की हत्या सीसीटीवी फुटेज से मामले का हुआ खुलासा

एजेंसी। बेगूसराय

बेगूसराय जिले के चर्चित भू-कारोबारी वरुण चौधरी हत्याकांड में बेगूसराय पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए तीन शूटरों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस पूरे हत्याकांड की साजिश नागदह निवासी कुख्यात रंधीर महतो ने व्यवसायिक प्रतिद्वंदिता के कारण रची थी। हत्या के लिए शूटरों को सुपारी दी गई थी और वारदात में इस्तेमाल बाइक भी घटना से एक दिन पहले ही खरीदी गई थी। सदर डीएसपी-वन आनंद कुमार पांडे ने सिंघौल थाना में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि उउळश फुटेज के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों शूटरों को दूसरे राज्य से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में नागदह वार्ड-11 निवासी राजीव साह, ललन महतो और चंदन महतो शामिल हैं। तीनों ने पूछताछ में अपना अपराध स्वीकार करते हुए साजिशकर्ता रंधीर महतो का नाम उजागर किया पुलिस के अनुसार, रंधीर महतो की राजनीतिक महत्वाकांक्षा तेजी से बढ़ रही थी और नगर निकाय चुनाव लड़ने के लिए उसे बड़ी रकम की जरूरत थी। इसी उद्देश्य से उसने जमीन कारोबार में कदम रखा। नागदह निवासी पशुपति साह के परिवार से साढ़े सात कट्ठा जमीन का सौदा कर वह प्लॉटिंग कर बेच रहा था। इसी जमीन को लेकर वरुण चौधरी भी सक्रिय थे, जिससे रंधीर महतो के कारोबार में बाधा उत्पन्न हो रही थी। इसी रंजिश में रंधीर महतो ने वरुण चौधरी को रास्ते से हटाने के लिए हत्या की साजिश रची और अपने गांव के शूटरों को सुपारी देकर वारदात को अंजाम दिलाया। गिरफ्तार शूटरों की निशानदेही पर पुलिस ने ललन महतो के नागदह स्थित घर से मिट्टी में छिपाकर रखे गए हथियार बरामद किए हैं। इसके साथ ही हत्या में प्रयुक्त बाइक और उउळश में दिख रहे कपड़े भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने दो पिस्टल, एक कट्टा और 14 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं, जो इस वारदात में इस्तेमाल किए गए थे।

आईआरसीटीसी ऑनलाइन टिकट बुकिंग का बढ़ा ट्रेंड आरा के यात्रियों को बड़ी राहत, 88% टिकट अब डिजिटल

एजेंसी। आरा

इंडियन रेलवे की ऑनलाइन टिकट बुकिंग प्रणाली में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। इसका सीधा लाभ भोजपुर जिले के आरा सहित आसपास के यात्रियों को मिल रहा है, जिनके लिए यात्रा अब पहले से अधिक आसान हो गई है। वित्त वर्ष 2025-26 में फरवरी तक ऑनलाइन टिकट बुकिंग का आंकड़ा 48.25 करोड़ से अधिक पहुंच गया है। यह कुल आरक्षित टिकटों का करीब 88 प्रतिशत है, जो डिजिटल माध्यम की बढ़ती लोकप्रियता को दशार्ता है। आरा जंक्शन के यात्रियों का कहना है कि क्ष्ठ्ळउ की सुविधा से अब लंबी कतारों में लगने की जरूरत नहीं पड़ती। मोबाइल और कंप्यूटर से घर बैठे टिकट बुक करना आसान हो गया है। ऑनलाइन बुकिंग से यात्रियों का समय बच रहा है, साथ ही स्टेशन तक बार-बार आने-जाने की जरूरत नहीं पड़ने से परिवहन लागत में भी कमी आई है। इससे यात्रियों को दोहरा फायदा मिल रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, आईआरसीटीसी की एंटी-बॉट तकनीक ने 64 प्रतिशत दुर्भावनापूर्ण ट्रैफिक को रोका है, जिससे असली उपयोगकताओं को टिकट बुकिंग में आसानी हो रही है। वर्ष 2025 में संदिग्ध पहचान के आधार पर 3.04 करोड़ यूजर अकाउंट बंद किए गए। हालांकि, सत्यापन के बाद 1,80,474 खातों को फिर से सक्रिय किया गया, जिससे पारदर्शिता बनी रही। एक जुलाई 2025 से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आधार प्रमाणन अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही, अग्रिम आरक्षण के पहले दिन सामान्य टिकट बुकिंग में भी आधार सत्यापन जरूरी किया गया है। इन कदमों से टिकटों की कालाबाजारी पर काफी हद तक रोक लगी है। अब वास्तविक यात्रियों को समय पर टिकट मिल रहा है और सिस्टम अधिक पारदर्शी हो गया है।

मंत्री अशोक चौधरी बने असिस्टेंट प्रोफेसर पटना के एएन कॉलेज में ली पहली क्लास

एजेंसी। पटना

बिहार के ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी आज प्रोफेसर की भूमिका में नजर आएं। बच्चों को क्लासरुम में पढ़ाते तस्वीर उनकी सामने आई है। वो कॉलेज के बच्चों को अब पढ़ाएंगे लेकिन इसके लिए वे किसी तरह का वेतन सरकार से नहीं लेंगे। शिक्षण के क्षेत्र में उन्होंने नई पारी की शुरूआत की है। पटना के एएन कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति के बाद उन्होंने आज 25 मार्च को अपनी पहली क्लास ली। राजनीति विज्ञान के छात्र-छात्राओं को उन्होंने आज पढ़ाया। अशोक चौधरी ने कहा कि यह उनके पिता जी का सपना था, जो आज साकार हुआ है। उन्होंने इसे अपने जीवन की नई शुरूआत बताया। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उन्होंने अपने अनुभव को साझा करते हुए लिखा कि एक नया सफर, एक नई शुरूआत । उन्होंने आगे लिखा कि पूज्य पिता जी ने हमारे लिए जो सपना देखा था, आज उसे जीने और साकार करने का अवसर मिला है। बतौर असिस्टेंट प्रोफेसर हमारी कोशिश रहेगी कि छात्रों को पोलीटीकल साइंस सिर्फ एक विषय नहीं बल्कि समाज, लोकतंत्र और जीवन को समझने का सशक्त माध्यम के रूप में पढ़ा सकूं, उनकी जिज्ञासाओं को शांत कर पाऊं। शिक्षा का यह पवित्र संबंध ज्ञान के आदान-प्रदान के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करे, इसी संकल्प के साथ हम अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। महत्वपूर्ण पड़ाव तक पहुंचने में जिन गुरुओं, अभिभावकों, मित्रों और शुभचिंतकों का मार्गदर्शन, सहयोग और आशीर्वाद मिला, मैं हृदय से उन सभी के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। आप सभी का विश्वास और स्नेह ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है।

मुंगेर-मिर्जा चौकी दो-लेन सड़क इस महीने तक होगी तैयार, जाम और ट्रैफिक की परेशानी होगी खत्म!

एजेंसी। मुंगेर

मुंगेर-मिर्जा चौकी सड़क का निर्माण अप्रैल महीने में पूरा होने वाला है। भागलपुर से मिर्जा चौकी तक यह दो-लेन सड़क पेव्ड शोल्डर के साथ बनाई जा रही है, जिससे स्थानीय लोगों को जाम और सफर में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। सड़क बनने के बाद मुंगेर से भागलपुर और कहलगांव तक का सफर आसान और सुरक्षित हो जाएगा। इस सड़क की चौड़ाई लगभग पांच मीटर है, जिसे 2018 की बाढ़ में हुए नुकसान के बाद डैमेज हो गया था। ट्रैफिक दबाव के कारण सफर करना कठिन हो गया था। सड़क निर्माण की मांग भागलपुर इंडस्ट्री ट्रक एसोसिएशन और अन्य संगठनों ने की थी। पेव्ड शोल्डर मेन रोड के किनारे बनी पक्की या कंक्रीट की पट्टी होती है, जो एक्स्ट्रा जगह, इमरजेंसी स्टॉपेज और सुरक्षा के लिए बनाई जाती है। यह सड़क निर्माण के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। बिहार में सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए कई प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं। पटना-बख्तियारपुर-ताजपुर फोरलेन अगले साल पूरी होने की उम्मीद है। गंगा नदी पर बनने वाले पुल सहित एप्रोच रोड का काम तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इस फोरलेन की लागत 1065 करोड़ रुपए है, जिससे आस-पास के जिलों के बीच बेहतर संपर्क स्थापित होगा और यात्रा में सुविधा बढ़ेगी। मुंगेर-मिर्जा चौकी सड़क का निर्माण पूरा होने के बाद न सिर्फ ट्रैफिक जाम में कमी आएगी, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा और सफर की सुविधा भी बढ़ेगी, जिससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

एक नजर

बिहार में गांजा की बड़ी खेप बरामद, पुलिस की भनक लगते ही तस्कर फरार, गाड़ी मालिक पर केस दर्ज

रोहतास। बिहार के रोहतास जिले से मादक पदार्थों की तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है, जहां पुलिस ने 29 किलो गांजा बरामद किया है। यह कार्रवाई जिले के करगहर थाना क्षेत्र में की गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, करगहर थाना क्षेत्र के नीमडिहरा गांव के पास एक संदिग्ध स्कॉर्पियो गाड़ी लावारिस हालत में खड़ी देखी गई। स्थानीय लोगों को जब गाड़ी पर शक हुआ तो उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गाड़ी की तलाशी ली। तलाशी के दौरान स्कॉर्पियो के अंदर से 29 किलो गांजा बरामद किया गया, जिसे अलग-अलग 29 पैकेट में रखा गया था। इतने बड़े पैमाने पर गांजा मिलने से यह साफ है कि तस्करी का नेटवर्क सक्रिय है और इसे कहीं सप्लाई करने की तैयारी थी। पुलिस के अनुसार, गाड़ी का नंबर झारखंड राज्य का है। प्राथमिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि पुलिस की भनक लगते ही तस्कर मौके से फरार हो गए और गाड़ी को वहीं छोड़कर भाग निकले। इस मामले में कुमार वैभव ने बताया कि गाड़ी के नंबर के आधार पर उसके मालिक की पहचान कर ली गई है और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस गांजा की खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। पुलिस पूरे मामले की गहराई से छानबीन कर रही है और तस्करों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। आसपास के इलाकों में भी जांच तेज कर दी गई है, ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके। इस घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस मामले में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भोजपुर में जदयू प्रखंड अध्यक्ष पर फायरिंग: पुलिस ने दबोचे दो बदमाश, देसी पिस्टल व कारतूस बरामद

आरा। भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र में बिहिया के जदयू प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुशवाहा पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो वांछित आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से एक देसी पिस्टल, पांच कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई विशेष छापेमारी अभियान चलाकर की गई।इसकी जानकारी एसपी राज ने दी। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रेपुरा टोला, नेऊर पोखर (थाना जगदीशपुर) निवासी राजा कुमार तथा वार्ड संख्या-09, बिहिया (थाना बिहिया) निवासी सूरज राज के रूप में हुई है। इससे पूर्व भी पुलिस ने इस कांड में संलिप्त एक अन्य आरोपित को गिरफ्तार किया था। इसके बाद पुलिस ने यह बड़ी कार्रवाई की है। गौरतलब है कि छह दिसंबर 2025 की दोपहर जगदीशपुर थाना क्षेत्र के शिवगंज टोला निवासी जदयू प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह उर्फ मनोज कुशवाहा अपने घर के बाहर बैठे थे। तभी एक बाइक पर सवार तीन अज्ञात हथियारबंद बदमाश वहां पहुंचे और उन पर फायरिंग कर दी। इस दौरान गोली उनकी जांघ को छूते हुए निकल गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने जगदीशपुर थाना में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस अनुसंधान के दौरान एक विधि-विरुद्ध बालक का नाम भी सामने आया था। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर मामले की आगे की जांच में जुटी है।

आरा जंक्शन पर पटरी पार हादसों पर लगेगी लगाम, रेलवे बनाएगा सुविधाजनक रेल पुलिया

आरा। भोजपुर जिले में रेल पटरी पार करते समय होने वाले हादसों को रोकने के लिए अब ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। क्ल्र्ल्लि फ्रं६८२ ने ऐसे संवेदनशील स्थानों पर सुविधाजनक रेल पुलियाओं के निर्माण का निर्णय लिया है। इस पहल का सीधा फायदा आरा जंक्शन जैसे व्यस्त स्टेशनों को मिलेगा। यहां आसपास की बस्तियों, खेतों और स्कूलों के कारण लोग रोजाना जान जोखिम में डालकर पटरियां पार करते हैं। आरा जंक्शन के आसपास कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां एक ओर घनी आबादी है और दूसरी ओर जरूरी सुविधाएं। रोजमर्रा के काम के लिए लोग शॉर्टकट के तौर पर ट्रैक पार करते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। नई योजना के तहत चिन्हित स्थानों पर सुरक्षित और सुगम रेल पुलियाओं का निर्माण किया जाएगा। इससे लोगों को ट्रैक पार करने का सुरक्षित विकल्प मिलेगा और हादसों में कमी आएगी। हाजीपुर रेलवे जोन के मुख्य जनसंपर्क पदाधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि इन पुलियाओं का निर्माण अत्याधुनिक तकनीक से मात्र 12 घंटे में किया जा सकेगा। इससे रेल संचालन भी ज्यादा प्रभावित नहीं होगा।

महावीर मंदिर में रामनवमी की भव्य तैयारी, भक्तों के लिए खास व्यवस्था, गर्मी से भी मिलेगी राहत

पटना। 27 मार्च को रामनवमी का महापर्व पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसको लेकर पटना जंक्शन स्थित प्रसिद्ध महावीर मंदिर में बड़े पैमाने पर तैयारी की गई है। भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन और प्रशासन ने इस बार विशेष सुविधाओं की व्यवस्था की है।इस संबंध में महावीर मंदिर और न्यास समिति के सचिव किशोर कुणाल ने बताया कि मार्च की बढ़ती तपिश को देखते हुए मंदिर प्रबंधन ने पहली बार भक्तों के आराम का विशेष ख्याल रखा है। मंदिर के गर्भगृह में 80 टन की क्षमता वाला एयर कंडीशनर लगाया गया है, ताकि कतारों में खड़े श्रद्धालुओं को उमस और गर्मी से निजात मिल सके। साथ ही, परिसर के बाहर 20 विशाल एलईडी स्क्रीन लगाए गए हैं, जिससे श्रद्धालु हनुमान जी का लाइव दर्शन कर सकेंगे।इस संबंध में शयन कुणाल ने बताया कि महावीर मंदिर का नैवेद्यम लड्डू देशभर में प्रसिद्ध है। इस बार भक्तों को इसकी कमी न हो, इसके लिए गुजरात से एक बड़ा इंडक्शन चूल्हा मंगाया गया है। उन्होंने बताया कि लगभग 24,000 किलो नैवेद्यम लड्डू बनाने की व्यवस्था की गई है। इतना ही नहीं रामनवमी पूजा के बाद वितरण के लिए 51-51 किलो के दो विशाल लड्डू भी बनाए जाएंगे।

तिरहुत बांध नहर निर्माण में दर्दनाक हादसा: रोड रोलर की चपेट में आया मासूम, मौके पर मौत

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जहां निर्माण कार्य के दौरान एक मासूम बच्चे की जान चली गई। मुसहरी थाना क्षेत्र के सलहा गांव में तिरहुत बांध नहर निर्माण कार्य के बीच यह हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान ढाई वर्षीय आरिफ के रूप में हुई है, जो मोहम्मद मंजूर का पुत्र था। घटना मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे की बताई जा रही है। उस समय नहर के बांध पर निर्माण कार्य चल रहा था और मिट्टी को समतल करने के लिए भारी मशीन–रोड रोलर का इस्तेमाल किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि मासूम आरिफ उसी दौरान खेलते-खेलते नहर के बांध पर पहुंच गया था। निर्माण स्थल पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने के कारण बच्चे की मौजूदगी पर किसी का ध्यान नहीं गया। इसी बीच रोड रोलर की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। चालक को भी इस बात की जानकारी नहीं हो सकी कि मशीन के पास एक बच्चा मौजूद है, जिससे यह हादसा हो गया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मां-बाप का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। स्थानीय लोगों में भी इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश देखा गया। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण स्थल पर न तो कोई सुरक्षा घेरा था और न ही किसी तरह की निगरानी की व्यवस्था, जिससे इस तरह का हादसा हुआ।

पटना में रामनवमी की तैयारी पूरी, महावीर मंदिर की सुरक्षा एटीएस के हवाले

एजेंसी। पटना

रामनवमी की तैयारियां पूरी कर ली गयी है। पटना जंक्शन, राजवंशी नगर सहित विभिन्न महावीर मंदिर में शुक्रवार की अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ेगी। रामनवमी में प्रसाद की कोई कमी नहीं होगी। हनुमान मंदिर प्रबंधन की ओर से 25 हजार किलो नैवेद्यम प्रसाद तैयार कराया गया है। इस दौरान पटना में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। पटना जंक्शन स्थित महावीर मंदिर की सुरक्षा की कमान इस साल पहली बार एटीएस के जवान संभालेंगे।सुबह से ही महावीर मंदिर के बाहर एटीएस की तैनाती कर दी गयी है। मौके पर मौजूद एटीएस के जवान मंदिर परिसर और उसके आसपास के इलाकों में चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेंगे। तलाशी के बाद ही श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश कराया जाएगा। मंदिर में आने वाले हर श्रद्धालुओं पर एटीएस की नजर रहेगी। संदिग्ध व्यक्ति नजर आते ही एटीएस उसे तुरंत दबोच लेगी। रामनवमी को लेकर सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गयी है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गयी है। सीसीटीवी कैमरे से भी निगरानी की जाएगी। रामनवमी के मौके पर पटना में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। कई पूजा समितियां शोभायात्रा निकालेंगी और पटना के विभिन्न मार्गों से होता हुआ शोभायात्रा श्रीराम चौक डाकबंगला पहुंचेगा। जहां बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन शोभायात्रा में शामिल 52 समूहों को सम्मानित करेंगे।भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नबीन पहली बार रामनवमी शोभायात्रा के संयोजक के रूप में डाकबंगला चौराहा स्थित श्रीराम चौक पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। जहां ड्रोन से फूलों की बारिश होगी। डाक बंगला चौराहे को रंग बिरंगे लाइटों से सजाया गया है।

एक नजर

सिकरहना नदी में दर्दनाक हादसा: शौच के दौरान फिसलकर डूबा 12 वर्षीय बालक, 6 घंटे बाद मिला शव

पटना। बिहार के मोतिहारी जिले से एक बेहद दुखद और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक मासूम की जान नदी में डूबने से चली गई। यह हादसा सुगौली प्रखंड के कैथवलिया वार्ड नंबर 1 का है, जिसने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया है। मृतक की पहचान 12 वर्षीय मिलन कुमार के रूप में हुई है, जो अपने परिवार का चहेता और पढ़ाई-लिखाई में रुचि रखने वाला बच्चा बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मिलन कुमार सुबह के समय शौच के लिए घर से बाहर निकला था और पास ही बहने वाली सिकरहना नदी के किनारे चला गया। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह संतुलन खोकर गहरे पानी में चला गया। आसपास उस समय कोई मौजूद नहीं था, जिसके कारण उसे तुरंत बचाया नहीं जा सका। जब काफी देर तक मिलन घर नहीं लौटा, तो परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान जब ग्रामीण नदी किनारे पहुंचे, तो आशंका गहराने लगी कि वह पानी में गिर गया होगा। इसके बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन को सूचना दी, जिसके बाद गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। करीब 6 घंटे तक लगातार खोजबीन चलती रही। कड़ी मशक्कत के बाद आखिरकार गोताखोरों ने नदी से मिलन का शव बरामद किया। जैसे ही यह खबर गांव में पहुंची, पूरे इलाके में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और हर कोई इस दर्दनाक घटना से स्तब्ध है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर रही है।

आरा सिविल कोर्ट धमाका केस में बड़ा फैसला सभी दोषी बरी, फांसी की सजा भी रद्द

आरा। बिहार के बहुचर्चित आरा सिविल कोर्ट बम ब्लास्ट मामले में बड़ा फैसला सामने आया है। पटना हाईकोर्ट ने इस मामले में सभी दोषियों को बरी कर दिया है। साथ ही मुख्य आरोपी लंबू शर्मा को निचली अदालत द्वारा दी गई फांसी की सजा को भी रद्द कर दिया गया है।हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद लंबू शर्मा और अखिलेश उपाध्याय को बम ब्लास्ट केस में राहत मिल गई है। हालांकि, दोनों आरोपियों को फिलहाल जेल में ही रहना होगा, क्योंकि जेल से फरार होने के एक अन्य मामले में उन्हें दोषी ठहराया गया है।यह मामला 23 जनवरी 2015 का है, जब आरा सिविल कोर्ट परिसर में सुबह करीब 11:35 बजे जोरदार बम धमाका हुआ था। इस विस्फोट में एक महिला और एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। धमाके के बाद कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी मच गई थी और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे थे। जांच के दौरान यह बात सामने आई थी कि उत्तर प्रदेश की रहने वाली एक महिला नगीना देवी कोर्ट परिसर में बम लेकर आई थी। धमाके के दौरान उसकी भी मौत हो गई थी। वहीं, कोर्ट हाजत की सुरक्षा में तैनात सिपाही अमित कुमार ने भी इस घटना में अपनी जान गंवाई थी। धमाके के तुरंत बाद कुख्यात अपराधी लंबू शर्मा और अखिलेश उपाध्याय पुलिस हिरासत से फरार हो गए थे, जिससे मामला और भी सनसनीखेज बन गया था। इस घटना के बाद पुलिस और जांच एजेंसियों ने बड़े स्तर पर कार्रवाई शुरू की थी।

सीएम नीतीश की समृद्धि यात्रा का आज आखिरी दिन पटनावासियों को देंगे 1056 करोड़ के योजनाओं की सौगात

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा का आखिरी दिन है। पांचवें चरण की यात्रा का गुरुवार को आखिरी दिन है। नालंदा में करोड़ों की योजनाओं की सौगात देने के बाद आज वह पटना के बापू सभागार में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके लिए सारी तैयारी पूरी हो चुकी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बापू सभागार में समीक्षा बैठक भी करेंगे। इसमें सभी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत खुद इस कार्यक्रम की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना में 583 करोड़ की लागत से 612 विकास योजनाओं का शिलान्यास करेंगे। वहीं 473 करोड़ की लागत से 761 विकास योजनाओं का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद जिलांतर्गत क्रियान्वित विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करेंगे।

सीएम नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा के दौरान सुरक्षा में चूक, बच्ची के काफिले में आने से हड़कंप

एजेंसी। नालंदा

गुरुवार को अपनी समृद्धि यात्रा के तहत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने गृह जिले नालंदा पहुंचे। इस दौरान उनके काफिले के सामने अचानक एक छोटी बच्ची के आ जाने से हड़कंप मच गया। यह घटना बिहार शरीफ के भैंसासुर मंदिर के पास तब हुई, जब मुख्यमंत्री फ्लाईओवर का उद्घाटन करने जा रहे थे। घटना के समय मौके पर तैनात महिला कांस्टेबल ने तुरंत बच्ची को सुरक्षित स्थान पर हटा लिया। उनकी सजगता के कारण बड़ा हादसा होते-होते टल गया। इससे पहले मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर नालंदा कॉलेज में लैंड हुआ। वहां से वे सीधे कार में बैठकर जिले के लिए 810 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब मुख्यमंत्री का सुरक्षा काफिला भैंसासुर मंदिर के पास पहुंचा, तो अचानक बच्ची सड़क पर दौड़ती हुई आ गई। हालांकि, महिला पुलिसकर्मी की तत्परता ने स्थिति को संभाल लिया। इस घटना ने हाई-प्रोफाइल 'समृद्धि यात्रा' और सीएम की सुरक्षा व्यवस्था के दावों के बीच प्रशासनिक चूक पर सवाल खड़े कर दिए हैं। थोड़ी देर के व्यवधान के बाद मुख्यमंत्री का काफिला आगे बढ़ा और उन्होंने नव-निर्मित फ्लाईओवर का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस मौके पर मंत्रिमंडल के अन्य सदस्य और स्थानीय अधिकारी भी मौजूद रहे।

मुजफ्फरपुर में बेलगाम ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा, टायर मिस्त्री की मौत, साथी की हालत गंभीर

एजेंसी। मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ाजगन्नाथ पंचायत के सिपाहपुर गांव में गुरुवार की देर शाम एक भीषण सड़क हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उसका साथी जीवन और मौत के बीच जंग लड़ रहा है।शादी समारोह से लौटते वक्त हुआ हादसाः मृतक की पहचान सिपाहपुर बखरी निवासी 22 वर्षीय मोहम्मद शमशाद अंसारी के रूप में हुई है। शमशाद पेशे से टायर मिस्त्री था और अपने परिवार का सहारा था। परिजनों ने बताया कि गुरुवार को शमशाद अपने एक दोस्त के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। शाम को जब वह बाइक से वापस अपने घर लौट रहा था, तभी सिपाहपुर के समीप सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से चोटिल हो गए।इलाज के दौरान तोड़ा दम, चालक फरारः हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की भीड़ जुटती देख ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार होने में सफल रहा। सूचना मिलते ही परिजन आनन-फानन में मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को इलाज के लिए श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (रङटउळ) में भर्ती कराया। शमशाद की नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन दुर्भाग्यवश अस्पताल ले जाने के क्रम में ही उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। वहीं, दूसरे घायल युवक का इलाज फिलहाल रङटउळ में चल रहा है, जिसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।परिजनों का हंगामा और सड़क जामः शमशाद की मौत की खबर जैसे ही गांव पहुंची, परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी और अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर सिपाहपुर मुख्य सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने बांस-बल्ले लगाकर सड़क को पूरी तरह जाम कर दिया, जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन ठप हो गया।

पुलिस की कार्रवाईः सड़क जाम की सूचना मिलने पर अहियापुर थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को उचित कानूनी कार्रवाई और सरकारी मुआवजे का आश्वासन देकर करीब कड़ी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया।

कोल्ड स्टोरेज हादसे में बिहार के तीन मजदूरों की मौत, कई घायल, गांव में पसरा मातम

सहरसा । बिहार के सहरसा जिले से एक बेहद दर्दनाक खबर सामने आई है, जहां रोजी-रोटी की तलाश में दूसरे राज्य गए मजदूरों पर कहर टूट पड़ा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक कोल्ड स्टोरेज की इमारत गिरने से सहरसा के तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 11 अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। मृतकों में सलखुआ प्रखंड के बलियार मुसहरी वार्ड संख्या 7 निवासी 28 वर्षीय ज्योतिष सादा भी शामिल हैं। ज्योतिष अपने परिवार के सबसे बड़े बेटे थे और उनके ऊपर पूरे घर की जिम्मेदारी थी। उनके परिवार में पत्नी रीता देवी, ढाई साल की बेटी सोना परी और महज एक महीने का दूधमुंहा बेटा दीवाना सादा है। उनकी मौत के बाद जब शव गांव पहुंचा, तो पूरे इलाके में कोहराम मच गया। सबसे मार्मिक दृश्य तब देखने को मिला जब पत्नी रीता देवी ने ही अपने पति को मुखाग्नि दी। घर में कोई बड़ा पुरुष सदस्य नहीं होने के कारण उन्होंने यह जिम्मेदारी निभाई। पति की मौत के गम में वह इस कदर टूट चुकी हैं कि लगातार रोने से उनकी आवाज तक बैठ गई है। परिजनों के अनुसार, ज्योतिष सादा ने गरीबी और मजबूरी के कारण गांव के ठेकेदार से कर्ज लिया था। उस समय उनकी पत्नी गर्भवती थीं और डिलीवरी के लिए पैसों की जरूरत थी। उन्होंने मजदूरी कर कर्ज चुकाने का वादा किया और इसी उम्मीद में प्रयागराज कमाने चले गए थे, जहां उन्हें 10 से 12 हजार रुपये महीने मिलने की बात कही गई थी। हादसे के दिन भी ज्योतिष ने अपनी पत्नी से बात की थी। उन्होंने बताया था कि बच्चे की तबीयत खराब है तो उसे नजदीकी क्लीनिक में दिखा दें। पत्नी बच्चे को लेकर डॉक्टर के पास गई भी, लेकिन करीब एक घंटे बाद जब उसने दोबारा फोन किया तो मोबाइल बंद मिला। कुछ ही देर में यह दुखद खबर मिली कि उनके पति की मौत हो चुकी है। इस हादसे में 20 वर्षीय मशीन्द्र सादा की भी मौत हो गई। वह छह भाइयों में तीसरे स्थान पर थे और घर के मुख्य कमाने वाले सदस्य थे। उनकी मां फूलों देवी ने बताया कि अभी उनके पति की मौत को एक साल भी नहीं हुआ था और अब बेटे के जाने से पूरा परिवार बिखर गया है। वह कहती हैं कि अब परिवार चलाने के लिए उन्हें दूसरों के घरों में काम करना पड़ेगा। फूलों देवी ने यह भी बताया कि उनका गांव कभी कोसी नदी के कटाव में बह गया था, जिसके बाद वे लोग तटबंध के किनारे आकर बस गए। सरकारी जमीन पर रहने के कारण उन्हें न तो किसी योजना का लाभ मिल पाया और न ही बिजली जैसी बुनियादी सुविधा मिल सकी। अब बेटे की मौत के बाद उनके सामने जीवन यापन का बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

बेगूसराय सदर अस्पताल में बड़ी लापरवाही, कटे अंग को कचरे में फेंकने पर 2 कर्मी निलंबित

एजेंसी। बेगूसराय

बेगूसराय जिला प्रशासन ने सदर अस्पताल में हुई गंभीर लापरवाही की घटना पर त्वरित संज्ञान लेते हुए कड़ी कार्रवाई की है। सिविल सर्जन-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी अशोक कुमार ने कर्तव्य में लापरवाही और अमानवीय व्यवहार के आरोप में दो चतुर्थवर्गीय कर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बता दें कि बेगूसरा सदर अस्पताल में एक मरीज के ऑपरेशन के बाद कटे हुए मानव अंग (पैर) के निस्तारण में निर्धारित बायो-मेडिकल वेस्ट प्रबंधन मानकों का पालन नहीं किया गया। संबंधित कर्मियों ने अंग को सुरक्षित तरीके से निस्तारित करने के बजाय कचरा ट्रॉली में छोड़ दिया, जो गंभीर लापरवाही को दशार्ता है। स्थिति उस समय और भयावह हो गई जब अगली सुबह अस्पताल परिसर के बाहर रखी ट्रॉली से एक आवारा कुत्ता उस कटे हुए अंग को मुंह में लेकर भागने लगा। हालांकि, मौके पर मौजूद लोगों और कर्मियों की तत्परता से स्थिति को नियंत्रित कर मानव अंग को निस्तारित किया गया। इस घटना को प्रशासन ने बेहद गंभीरता से लेते हुए दोषी कर्मियों सुनील कुमार मल्लिक और राजेश पासवान को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के तहत निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि के दौरान राजेश पासवान का मुख्यालय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बरौनी और सुनील कुमार मल्लिक का मुख्यालय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मटिहानी निर्धारित किया गया है। प्रशासन ने दोनों कर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी है और जल्द ही आरोप पत्र (चार्जशीट) जारी किया जाएगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी तरह की लापरवाही या संवेदनहीनता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही, भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थानों को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए जा रहे हैं। बेगूसराय जिला प्रशासन ने सदर अस्पताल में घटित एक गंभीर घटना पर त्वरित संज्ञान लेते हुए कड़ी कार्रवाई की है। इसी क्रम में 25 मार्च की शाम उप विकास आयुक्त (उ्ळ) स्वयं सदर अस्पताल पहुंचकर पूरे मामले की जांच की और संबंधित व्यवस्था का निरीक्षण किया। जांच के दौरान बायो-मेडिकल वेस्ट प्रबंधन में गंभीर लापरवाही सामने आई।

पटना से बड़ा ऐलान! अब देश के किसी भी कोने से मदद मांग सकेंगे बिहार के प्रवासी मजदूर

एजेंसी। मुजफ्फरपुर

बिहार सरकार प्रवासी श्रमिकों की मदद के लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। विभिन्न राज्यों में काम कर रहे बिहार के लाखों श्रमिकों की समस्याओं के समाधान और त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राजधानी पटना में जल्द ही एक समर्पित कॉल सेंटर स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही राज्य सरकार सभी प्रवासी श्रमिकों का आधार नंबर से जुड़ा एक व्यापक डेटाबेस तैयार करने की दिशा में भी काम कर रही है। श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग की ओर से इस परियोजना को लेकर तेजी से कार्रवाई की जा रही है। बुधवार को कॉल सेंटर की स्थापना के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। इच्छुक कंपनियों को 21 अप्रैल तक ऑनलाइन निविदा भरने का समय दिया गया है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद कॉल सेंटर की स्थापना का काम शुरू किया जाएगा। कॉल सेंटर शुरू होने के बाद एक टोल-फ्री नंबर जारी किया जाएगा, जिस पर देश के किसी भी राज्य में कार्यरत बिहार के प्रवासी श्रमिक संपर्क कर सकेंगे। इस नंबर के जरिए श्रमिक अपनी समस्याएं दर्ज करा सकेंगे, सहायता मांग सकेंगे या किसी भी तरह की सूचना दे सकेंगे। इससे आपातकालीन स्थितियों में सरकार तक उनकी बात जल्दी पहुंच सकेगी। इसी के साथ सरकार प्रवासी श्रमिकों का डिजिटल डेटाबेस तैयार करने की दिशा में भी काम कर रही है। विभाग ने इसके लिए एक विशेष सॉफ्टवेयर और मोबाइल एप विकसित किया है, जिसे फिलहाल सुरक्षा ऑडिट के लिए भेजा गया है। ऑडिट पूरा होने के बाद इसे आधिकारिक रूप से लॉन्च किया जाएगा। इस एप के जरिए राज्य के सभी प्रवासी श्रमिकों का डेटा आधार नंबर के साथ सुरक्षित रखा जाएगा। यह बिहार में पहली बार होगा जब प्रवासी श्रमिकों का इस तरह संगठित और प्रमाणित डेटाबेस तैयार किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, इस डेटाबेस के बनने से किसी भी आपदा, दुर्घटना या अन्य परिस्थितियों में श्रमिकों की जानकारी तुरंत उपलब्ध हो सकेगी, जिससे राहत और सहायता कार्यों में तेजी आएगी। गौरतलब है कि इससे पहले भी विभाग द्वारा प्रवासी श्रमिकों का पंजीकरण किया जा रहा था और अब तक लगभग सात लाख श्रमिकों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है। हालांकि अब इस प्रक्रिया को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है, क्योंकि सरकार आधार आधारित नए सिस्टम के जरिए अधिक सटीक और विश्वसनीय डेटा तैयार करना चाहती है। इसके तहत पंजीकरण की प्रक्रिया नए सिरे से शुरू की जाएगी। वर्ष 2023 में हुई जाति आधारित गणना के अनुसार, बिहार के करीब 46 लाख लोग रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में रहकर काम कर रहे हैं। इतनी बड़ी संख्या को देखते हुए सरकार का यह कदम काफी अहम माना जा रहा है। हालांकि, इससे पहले सरकार ने देश के कुछ प्रमुख राज्यों में प्रवासी श्रमिक सहायता केंद्र खोलने की योजना भी बनाई थी, लेकिन वह योजना अब तक धरातल पर नहीं उतर सकी है। ऐसे में अब कॉल सेंटर और डिजिटल डेटाबेस को प्रवासी श्रमिकों के लिए एक महत्वपूर्ण और प्रभावी पहल के रूप में देखा जा रहा है।

मुजफ्फरपुर एसएसपी की बड़ी कार्रवाईः गायघाट थानेदार समेत पूरी छापेमारी टीम सस्पेंड

एजेंसी। मुजफ्फरपुर

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से एक बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की खबर सामने आ रही है। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने कर्तव्य में लापरवाही और विवेकपूर्ण निर्णय न लेने के आरोप में गायघाट के तत्कालीन थानाध्यक्ष (पु.अ.नि.) राजा सिंह समेत पूरी छापेमारी टीम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई ग्रामीण एसपी राजेश कुमार की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है।प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मामला 17/18 मार्च 2026 की रात का है। गायघाट थाना क्षेत्र के चोरनिया ग्राम में पुलिस की टीम एक छापेमारी करने गई थी। इस दौरान अभियुक्तों द्वारा शोर मचाकर ग्रामीणों को इकट्ठा कर लिया गया, जिसके बाद भीड़ ने पुलिस बल पर भारी पथराव, लाठी-डंडे और फायरिंग से हमला कर दिया।भीड़ के बीच फंसने और अपनी जान बचाने के लिए तत्कालीन थानाध्यक्ष राजा सिंह ने हवाई फायरिंग की और किसी तरह वहां से सुरक्षित निकल पाए। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम और अफरा-तफरी के दौरान एक ग्रामीण, जगतवीर राय की मौत हो गई थी। इसके अलावा, टीम में शामिल गृह रक्षकों (अपरजीत कुमार और मनिष कुमार) के विरुद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए जिला पदाधिकारी को पत्र लिखा गया है। इस कार्रवाई से जिले के पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।